प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड्.
(प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2004–2005

निर्देशक :
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

शोधकर्ता :
पारगी लक्ष्मणभाई एल
एम.एड् (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

2004:2005

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं का अध्ययन

D-198

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड्.
(प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2004–2005

LIBRARY

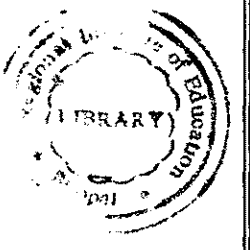

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

निर्देशक :
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

शोधकर्ता :
पारगी लक्ष्मणभाई एल
एम.एड् (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि पारगी लक्ष्मणभाई लालाभाई क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र हैं। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध विषय प्रबंध "प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं का अध्ययन" मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् २००४-२००५ की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 5.4.05

निर्देशक :

डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध "प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं का अध्ययन" की सम्पन्नता का सम्पूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्रद्धेय डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण (प्रवाचक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है। जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा अनवरत प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध आपके द्वारा शोधकार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सलय पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्राध्यापक डॉ. एम. सेन गुप्त, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा डॉ. (श्रीमती) अविनाश ग्रे वाल विभागध्यक्ष एवं अधिष्ठाता शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ।

मैं डॉ. (श्रीमती) मधुलिका पटेल, प्रो. संजय पंडागले, डॉ. के.के. खरे तथा डॉ. एस.के. गुप्ता एवं उन समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने समय-समय पर उचित मार्गदर्शन कर मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी तथा सहयोगियों हेतु हृदय से धन्यवाद देना चाहूँगा जिनके अपूर्व सामायिक सहयोग से शोधकार्य सम्पन्न हो सका है।

मैं मेरे करीबी मित्र तथा सहपाठी श्री चन्द्रेश राठौड़ हर्षद पटेल, मालीवाड़ गुलाबसिंह, संजय परमार, विनोद निमगड़े, सतीश तिवारी, सोनिया स्थापक तथा सहपाठियों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोधकार्य के दौरान प्रदत्त संकलन तथा अन्य सहयोग के लिए आभारी हूँ।

मैं अपने आदरणीय माता-पिता, कनिष्ठ भाई श्री दिनेश कुमार पारेगी, कान्ता, कविता, खुशबु, चन्द्रसिंह तथा परिवार के शुभचिन्तकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु तन, मन, धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

अन्त में मैं शोधकार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोधकार्य में जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है, उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभारी रहूँगा।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 05-04-05

पारेगी लक्ष्मणभाई, एल
एम.एड्. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल (म.प्र.)

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

अनुक्रमणिका

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
प्रथम :	**शोध-परिचय**	1–13
	1.1 प्रस्तावना	
	1.2 शिक्षक की भूमिका	
	1.3 विभिन्न शिक्षा आयोगों ने शिक्षकों की स्थिति के बारे में विचार	
	1.4 शिक्षकों की वर्तमान अव्यवस्था	
	1.5 विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं	
	1.6 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	
	1.7 समस्या का कथन	
	1.8 शोध के चर	
	1.9 शोध के उद्देश्य	
	1.10 शोध की शून्य परिकल्पनाएँ	
	1.11 शोध समस्या की सीमायें	
द्वितीय :	**संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन**	14–17
	2.1 प्रस्तावना	
	2.2 संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	
	2.3 शोध से संबंधित साहित्य	
तृतीय :	**शोध समस्या प्रविधि एवं प्रक्रिया**	18–30
	3.1 प्रस्तावना	
	3.2 शोध डिजाइन	
	3.3 न्यादर्श का चयन	
	3.4 प्रतिदर्श का विवरण	
	3.5 शोध में प्रयुक्त चर	
	3.6 शोध में प्रयुक्त चरों का स्तर या समूह	
	3.7 लघुशोध प्रबन्ध संबंधी उपकरण का निर्माण एवं विवरण	

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3.8 लघुशोध प्रबन्ध के प्रदत्तों का प्रशासन एवं संकलन

3.9 प्रदत्तों के संकलन में उत्पन्न कठिनाइयाँ

3.10 प्रस्तुत लघुशोध उपकरण के अंकविधि

3.11 प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ

चतुर्थ : प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 31—43

4.1 प्रस्तावना

4.2 लिंग के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.3 विद्यालय प्रकार के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.4 स्थान के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.5 अनुभव के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.6 शैक्षणिक योग्यता के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.7 व्यावसायिक योग्यता के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

पंचम : शोधसार, निष्कर्ष एवं सुझाव 44—50

5.1 प्रस्तावना

5.2 प्रस्तुत अध्ययन

5.3 समस्या कथन

5.4 संक्षेपिका

5.5 शोध का निष्कर्ष एवं व्याख्या

5.6 सुझाव

5.7 भविष्य में शोध हेतु समस्यायें

संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की समस्यात्मक प्रश्नावली

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

तालिका सूची

तालिका क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
3.4	प्रतिदर्श का विवरण	20
3.9.1	'टी' टेस्ट की तालिका	30
4.2.1	शिक्षक–शिक्षिकाओं की समस्याओं को दर्शाने वाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	32
4.2.2	विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं के बारे में शिक्षकों के मध्य 'टी' मूल्य की सार्थकता।	33
4.3.1	शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयीन शिक्षकों की समस्याओं को दर्शानेवाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	34
4.3.2	विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं के बारे में विद्यालय प्रकार के मध्य 'टी' मान की सार्थकता।	35
4.4.1	ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों के शिक्षकों की समस्याओं को दर्शाने वाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	36
4.4.2	विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं के बारे में स्थान के आधार पर 'टी' मान की सार्थकता।	37
4.5.1	अनुभव के अनुसार कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	38
4.5.2	विभिन्न समस्याओं के बारे में शिक्षकों के अनुभव का मध्य 'एफ' मान की सार्थकता।	39
4.6.1	शैक्षणिक योग्यता के अनुसार कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	40
4.6.2	विभिन्न समस्याओं के बारे में शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता का मध्य 'एफ' मान की सार्थकता।	41
4.7.1	व्यावसायिक योग्यता के अनुसार कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं को दर्शाने वाली 'एफ' मान की सार्थकता।	42
4.7.2	विभिन्न समस्याओं के बारे में शिक्षकों की व्यावसायिक योग्यता का मध्य 'एफ' मान की सार्थकता	43
5.4	प्रदत्तों का विश्लेषण की तालिका।	48

LIBRARY